

प्रेस विज्ञप्ति

**यूनिवर्सिटी पॉलिटैक्निक, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में सत्र 2025-26 के डिप्लोमा
इंजीनियरिंग छात्रों के लिए भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन**

नई दिल्ली, 24 जुलाई 2025

यूनिवर्सिटी पॉलिटैक्निक, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने आज एक भव्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया, जो 18 जुलाई, 2025 को शुरू हुए एक सप्ताह के इंडक्शन कार्यक्रम के समापन का प्रतीक था। 'द कन्वल्जन्' नामक इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य डिप्लोमा इंजीनियरिंग (नियमित एवं स्व-वित्तपोषित) पाठ्यक्रमों के नये प्रविष्ट छात्रों के लिए एक सहज शैक्षणिक और सांस्कृतिक परिवर्तन प्रदान करना था। पूरे सप्ताह के दौरान, छात्रों ने छात्र सहायता, शैक्षणिक संसाधनों और संस्थागत मूल्यों पर केंद्रित इंटरैक्टिव सत्रों, विभागीय प्रस्तुतियों, प्रयोगशाला भ्रमण और कार्यशालाओं में भाग लिया।

आज का समापन समारोह पॉलिटैक्निक की नव प्रविष्ट छात्रा सुश्री सैयदा मदीहा अहमद द्वारा पवित्र कुरान के भावपूर्ण पाठ के साथ आध्यात्मिक रूप से शुरू हुआ। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर इंजीनियरिंग अनुभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील ने किया, जिन्होंने कबीर, सुभद्रा कुमारी चौहान, मीर तक़ी मीर, स्वामी विवेकानंद और मिर्ज़ा ग़ालिब जैसे साहित्यिक और दार्शनिक महान लोगों की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए आत्मनिरीक्षण, उत्सव और बौद्धिक गहराई का माहौल बनाया।

यूनिवर्सिटी पॉलिटैक्निक के प्राचार्य डॉ. एम.ए. खान ने गणमान्य व्यक्तियों और उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए एक उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें संस्थान की उल्लेखनीय विरासत, उपलब्धियों और प्रतिभाओं को पोषित करने के प्रति समर्पण पर प्रकाश डाला गया। डॉ. खान ने गणमान्य व्यक्तियों को प्रशंसा और सम्मान के प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथियों में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़; जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी; जामिया मिल्लिया इस्लामिया के परीक्षा नियंत्रक प्रो. पवन कुमार शर्मा; जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र कल्याण संकाय की डीन प्रो. नीलोफर अफ़ज़ल और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय की डीन प्रो. मिनी शाजी थॉमस शामिल थे। इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय की डीन प्रो. मिनी शाजी थॉमस ने एक प्रेरक भाषण दिया और छात्रों से नवाचार, अंतःविषयक शिक्षा और वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान क्षमताओं को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उन्नत प्रयोगशालाओं, इनक्यूबेशन केंद्रों और मार्गदर्शन ढाँचों का लाभ उठाने के महत्व पर ज़ोर दिया। शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने कहा, "जामिया में, हम केवल तकनीक ही नहीं सिखाते—हम नेतृत्व, अनुकूलनशीलता और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने का साहस भी सिखाते हैं।" उन्होंने इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के तेज़ी से हो रहे विकास, इसके वैश्विक शैक्षणिक सहयोग और उद्योग-तैयार, नैतिक रूप से मज़बूत पेशेवरों को तैयार करने के इसके मिशन के बारे में भी बात की।

छात्र कल्याण पर केंद्रित डीन, छात्र कल्याण प्रो. नीलोफर अफ़ज़ल ने डीन, छात्र कल्याण कार्यालय (DSW) द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला का परिचय दिया। उन्होंने भावनात्मक कल्याण, समावेशिता और छात्र सशक्तिकरण पर ज़ोर दिया और छात्रों को क्लबों, सोसाइटियों और सहायक पहलों—खासकर महिलाओं और वंचित छात्रों के लिए—के माध्यम से परिसर के जीवन में पूरी तरह डूबने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों को बिना किसी हिचकिचाहट के मदद लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि "ज्ञान विनम्रता लाता है," और उन्हें अपनी शैक्षणिक यात्रा को सहानुभूति और आत्म-जागरूकता के साथ करने का आग्रह किया।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. पवन कुमार शर्मा ने शैक्षणिक पारदर्शिता, निष्पक्षता और छात्र सशक्तिकरण पर केंद्रित संदेश के साथ छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने एकल विंडो शिकायत निवारण प्रणाली—परीक्षा संबंधी शिकायतों के प्रस्तुतीकरण और समाधान को सुव्यवस्थित करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म—की शुरुआत की घोषणा की। उन्होंने परीक्षा सेवाओं के डिजिटलीकरण, शीघ्र परिणाम प्रसंस्करण और अखंडता-केंद्रित शैक्षणिक प्रथाओं सहित हाल के सुधारों पर भी प्रकाश डाला। संस्कृत के सूत्र "विद्या ददाति विनयम्" का हवाला देते हुए, उन्होंने छात्रों को विनम्रता और जिम्मेदारी के साथ सीखने के लिए प्रेरित किया।

जामिया के रजिस्ट्रार और समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने ज्ञान और व्यावहारिक सलाह से भरपूर एक प्रेरक भाषण दिया। अपने समृद्ध शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव का लाभ उठाते हुए, उन्होंने अनुशासन, समय प्रबंधन और निरंतर प्रयास के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने छात्रों को जामिया की शैक्षणिक और सांस्कृतिक पेशकशों का अधिकतम लाभ उठाते हुए, दृढ़, केंद्रित और नए विचारों के लिए खुले रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति, प्रो. मज़हर आसिफ़ ने एक उल्लेखनीय प्रेरक अध्यक्षीय वक्तव्य दिया। उन्होंने छात्रों को रटंत विद्या से आगे बढ़कर जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और नैतिक चेतना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सच्ची शिक्षा व्यक्ति के चरित्र निर्माण का एक साधन है ताकि समुदाय, राष्ट्र और साथी प्राणियों पर सकारात्मक प्रभाव डाला जा सके। शिक्षा के माध्यम से समाज में योगदान देने के जेएमआई के मिशन की पुष्टि करते हुए, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समावेशिता, शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम का समापन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सैयद शाने हैदर रिज़वी द्वारा दिए गए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी